मनसा सेवा - 26

➢➢ शुभ भावना <u>किस किस के प्रति</u> रखें ?

➳ _ ➳ स्वयं के लिए

→ एक हफ्ते में मन शांत हो जाए

→ 2 हफते में मन डांस करने लगे

→ 3 हफ्ते में मन मगन हो जाए

→ एक मॉस में मन शक्तिशाली हो जाए

➳ _ ➳ सर्व आत्माओं के प्रति / संसार के प्रति

→ जीवन का अन्धकार नष्ट हो

→ परमात्म संतान बन जाएँ... परमात्म वर्सा मिल जाए... भगवान को जान लें , मान लें.. पहचान लें..

➳ _ ➳ ब्राह्मण आत्माओं के प्रति

→ सर्व आत्माएं तीव्र पुरुषार्थी बन जाएँ

→ आलस्य / अलबेलापन सम्पूरण रूप से मुक्त हो जाएँ

→ सर्व आत्माएं महान योगी, तपस्वी बन जाएँ

→ बाप को प्रतक्ष्य करने की धुन चढ़ जाए

→ सभी परमात्म आज्ञाकारी बन जायें

→ सभी एवर रेडी हो जाएँ

→ सभी संस्कार मिलन की रास करें

→ सभी स्व्मानधारी हो जाएँ

→ सभी ॐ शांति के अर्थ स्वरुप में टिक जायें

→ सभी नारायणी नशे में खो जायें

→ सभी परमात्म प्रेम में मगन हो जाएँ

→ सभी बेहद के वैरागी बन जाएँ

→ अखंडित ब्रह्माचारी बन जाएँ

→ तपस्या की लहर फ़ैल जाएँ

→ सभी सेंटर्स निर्विघन हो जायें

→ “अब घर जाना है” - सभी इसी एक संकल्प में टिक जाएँ

→ सभी स्वराज्य अधिकारी बन जाएँ

→ सभी मायाजीत प्रकृतिजीत बन जाएँ

→ शुभ भावना, शुभ कामना से भर जाएँ

→ अपिव्त्रता का अंश भी समाप्त हो जाये

→ साक्षातकार बन जाएँ

→ यही भाव रहे की :- “ये वही देव देवियाँ हैं जिनकी मदिर में पूजा हो रही है”

→ सभी आत्म अभिमानी हो जाएँ

→ सभी एकाग्रचित हो जाएँ

→ सर्व आत्माओं का मुरली के प्रति बेहद का प्यार हो जाए

→ सर्व आत्माओं का ड्रामा का पाठ पक्का हो जाए

➳ _ ➳ प्रकृति के प्रति

→ प्रकृति के पांचो तत्व पावन हो जाएँ

➳ _ ➳ जीव जंतुओं के प्रति

➢➢ शुभ भावना <u>क्यों रखें</u> ? इससे क्या फायदा होगा ?

➳ _ ➳ <u>निरंतर शुभ भावना रखना ही मनसा सेवा करना है</u>

<u>Avyakt Murli Refrence :-</u> Page Number 19 Of Mansa Sewa Book

---